भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1386
उत्तर देने की तारीख: 29.07.2025

सीमांत वर्ग के छात्रों के लिए राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति योजना

1386. श्री इटेला राजेंदर:
श्रीमती डी. के. अरुणा:
श्री चमाला किरण कुमार रेड्डी:

क्या **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सीमांत वर्ग के छात्रों के लिए राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति योजना के संचालन हेतु अतिरिक्त आवंटन प्रस्तावित है;

(ख) क्या मंत्रालय ने 2025-26 वर्ष के लिए धन की अनुपलब्धता के कारण 66 चयनित उम्मीदवारों के अनंतिम स्वीकृति-पत्र रोक दिए हैं;

(ग) क्या मंत्रालय अनुसूचित जाति, विमुक्त, अर्ध-घुमंतू और घुमंतू जनजातियों, भूमिहीन कृषि मजदूरों और पारंपरिक कारीगरों की पृष्ठभूमि वाले छात्रों को विदेशों में शीर्ष विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर अध्ययन हेतु यह छात्रवृत्ति प्रदान करता है; और

(घ) यदि हाँ, तो इसका ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर
सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री
(श्री रामदास आठवले)

(क) और (ख): अनुसूचित जाति आदि के लिए राष्ट्रीय ओवरसीज छात्रवृत्ति स्कीम (एनओएस) योजना के लिए व्यय वित्त समिति (ईएफसी) द्वारा अनुमोदित कुल बजटीय परिव्यय पांच वर्षों के लिए 175 करोड़ रुपये (प्रति वर्ष 35 करोड़ रुपये) है। हालाँकि, 2021-22 से 2024-25 की अवधि के लिए एनओएस योजना के अंतर्गत व्यय 298.39 करोड़ रुपये रहा है, जो पाँच वर्षों के लिए अनुमोदित 175.00 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय से अधिक है। इसके अलावा, 2025-26 के लिए बजट अनुमान (बीई) के अंतर्गत 130 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि आवंटित की गई है।

चयन वर्ष 2025-26 के लिए, सभी चयनित 106 छात्रों को अनंतिम स्वीकृति-पत्र जारी कर दिए गए हैं।

(ग) और (घ): सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय अनुसूचित जाति आदि के उम्मीदवारों के लिए राष्ट्रीय ओवरसीज छात्रवृत्ति (एनओएस) योजना का संचालन करता है। इस योजना के अंतर्गत, अनुसूचित जातियों, विमुक्त घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियों, भूमिहीन कृषि श्रमिकों और पारंपरिक कारीगरों की श्रेणियों से संबंधित निम्न आय वर्ग के मेधावी छात्रों को विदेश में शीर्ष 500 क्यूएस रैंकिंग वाले विश्वविद्यालयों में अध्ययन करके उच्च शिक्षा, जैसे मास्टर डिग्री या पीएचडी, प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

*****